क्या हम मांसाहार खा सकते हैं?

अधिकांश आध्यात्मिक गुरु मांस का सेवन करने के खिलाफ सख्ती से सलाह देते हैं, चेतावनी देते हैं कि इससे परेशानियां होंगी। वे दूसरों को डर के माध्यम से बदलने का प्रयास करते हैं। यह दृष्टिकोण कुछ हद तक सही है, क्योंकि नियमों, नियंत्रणों और डर के माध्यम से एक निश्चित बिंदु तक विकास संभव है। हालांकि, न्यू एनर्जी अवधारणा (NewEnergy Concept) में, कोई नियम, डर या जबरन परिवर्तन नहीं हैं। केवल सुझाव और मार्गदर्शन हैं। इसका कारण यह है कि यह एक पीएचडी पाठ्यक्रम की तरह है, जहां आपको सब कुछ सीधे अनुभव करना और सीखना होता है। यहां, आपको जहां से हैं, वहां से एक-एक कदम चढ़ना होता है।

इस नई ऊर्जा अवधारणा में, आपको प्रेम से वासनाओं को दूर करना होगा। यदि आप उन्हें जबरन रोकते या दबाते हैं, तो वासना तीव्र हो सकती है। मेरे मामले में, मैं एक ब्राह्मण परिवार में पैदा हुआ था, इसलिए मैं मांसाहारी नहीं था। मेरे इंटरमीडिएट अध्ययन के दौरान, मैं वजन बढ़ाने के लिए कभी-कभी एक अंडा खाता था। नई ऊर्जा में प्रवेश करने के बाद, मैंने सब कुछ के प्रति दिव्य भावना रखने का संकल्प किया। फिर मुझे अंदर से लगा कि मांस खाने से मुझे दिव्य भावना मिलेगी। क्या इसका मतलब है कि मुझे दिव्य भावना पाने के लिए सब कुछ करना होगा? क्या मैं कुछ चीजें देखकर दिव्य भावना नहीं ला सकता? मैं पहले से ही मांसाहारियों को दिव्य भावना से देखता हूँ। अब आप कहते हैं कि मांस खाओ, और बाद में आप कहेंगे कि हत्यारों के लिए प्रेम करने के लिए, आपको हत्या करनी होगी। क्या यह सब आवश्यक है? ... 2 या 3 अनाजों का परीक्षण करना ही काफी है यह देखने के लिए कि चावल पक गया है या नहीं, हर एक अनाज को देखने की जरूरत नहीं है।

इसके बावजूद, मुझे मांस खाने की अंदरूनी तीव्र इच्छा हुई। इसलिए, मैं एक होटल गया और चिकन बिरयानी ऑर्डर की। जैसे ही मैंने उसे देखा, मुझे उल्टी करने का मन हुआ और मैं उसे खा नहीं सका। फिर भी, मैंने थोड़ा चावल खाया और मांस ऊर्जा को सलाह दी, 'मेरी प्रिय मांस ऊर्जा, संतुष्ट हो जाओ और मुझे आत्मा स्थिति में ले जाओ।' बाद में, मैंने 4-5 बार अंडे खाकर उस ऊर्जा को संतुष्ट किया। उसके बाद, जब मुझे अंडे खाते समय उल्टी करने का मन हुआ, तो मैंने उन्हें पूरी तरह से खाना बंद कर दिया। हालांकि, जब कोई मेरे सामने मांस खाता है, तो मुझे उनके प्रति कोई नफरत नहीं होती, न ही मैं उन्हें बदलने की कोशिश करता हूँ। मैं उन्हें वैसे ही स्वीकार करता हूँ और उन्हें दिव्य दृष्टि से देखता हूँ।

लेकिन मुझे कुछ शाकाहारी व्यंजनों के लिए मजबूत पसंद थी। जब मैंने उन्हें प्रेम से आनंद लिया, बिना अच्छे या बुरे के बारे में सोचे, मेरी उन आहार पदार्थों के लिए अत्यधिक पसंद

स्वाभाविक रूप से कम हो गई। मुझे लगता था कि मैं इस पृथ्वी पर केवल उस भोजन को खाने और इस अनुभव को पाने के लिए पैदा हुआ था। अब, मैं सब कुछ समान रूप से आनंद ले सकता हूँ। मेरी हर चीज के प्रति व्यसन और आसक्ति कम हो गई है।

तो अगर आपको गैर-शाकाहारी (Non-veg) भोजन खाने का मन है, तो प्रेम से उसके साथ बात करें और खाएं। कहें, मेरा प्रिय मांसाहार, मैं आपको प्यार से खाता हूँ, आप से मैं अच्छा या बुरा नहीं चाहता, मैं अब से आपको निर्गुण भाव से खाऊंगा, मैं आपसे शुद्ध शक्ति चाहता हूं, आप ही मुझे अतीत स्थिति को ले जाएं, जहां मैं आपको खाए बिना आनंद से रह सकता हूं, जहां मैं मांस खाने की इच्छा के परे जा सकता हूं।' फिर, इससे संबंधित मान्यताओं को हटा दें, जैसे कि 'मांसाहार भोजन खाना पाप है,' 'कोलेस्ट्रॉल बढ़ेगा,' 'ताकत आएगी,' आदि।

संपूर्ण प्रेम के साथ जब आप मांसाहार का आस्वाद करते हुए खाया तो: मतलब यदि आप मांस को, मसाले को, स्वाद को, और अन्य चीजों का आस्वाद करेंगे, तभी मांसाहार से बाहर आ सकते है और आप उस इच्छा से परे जा सकते हैं। स्वाद केवल जीभ के लिए है, इसलिए भोजन को अधिक से अधिक समय तक मुंह में रखें और चबाते समय इसके स्वाद का आनंद लें। यदि आप इस तरीके से खाएंगे, तो कुछ दिनों के बाद आपको इसे खाने का मन नहीं करेगा। लेकिन जब आपको खाने का मन हो, तो इच्छा को दबाए बिना इसका आनंद लें। लेकिन अंतिम स्थिति बिना खाए आनंदित रहना।

क्योंकि जब आप और आपका शरीर एक निश्चित अवस्था तक पहुँच जाते हैं, तो आपका शरीर गैर-शाकाहारी भोजन को पचा नहीं सकता है। यह केवल आसानी से पचने वाली चीजें खाने का सुझाव देता है। लेकिन उस अवस्था तक पहुँचने के लिए, आपको पहले जैसा मैंने बताया था, वैसा करना होगा। तब ही आप स्वाभाविक रूप से गैर-शाकाहारी भोजन खाने से बच सकते हैं। वासनाओं को मारो नहीं, वासनाओं पर विजय प्राप्त करो, यह नई ऊर्जा अवधारणा है।

आप सोच सकते हैं, 'अगर हम इसे प्रेम से खाना शुरू कर दें, तो क्या हम इसे छोड़ सकते हैं?' यह सवाल हर कोई मुझसे पूछता है जहाँ भी मैं जाता हूँ - क्या हम गैर-शाकाहारी भोजन खा सकते हैं? मांस खाना पाप है? मेरा इसका जवाब है... अगर आप मच्छरों को मारते हैं, तो क्या यह पाप है? अगर आप पेड़ों को काटते हैं, तो क्या यह पाप है? हर चीज में जीवन है। अगर इसके मरने का समय नहीं आया है, तो आप इसे नहीं मार सकते, अगर आपको खाने की इच्छा है, तो खाएं। मैं आपको अनुभवी रूप से सब कुछ जानने के लिए कह रहा हूँ। आप यह कैसे जानते हैं कि इसे खाना पाप है और उसे खाना अच्छा है?

अपने अनुभवों के आधार पर, दूसरे लोग कहते हैं कि इसे खाना पाप है और यह समस्याएं और बीमारियां पैदा करता है। दूसरों की बातों पर अंधविश्वास न करें। यहां तक कि वह मेरी सलाह या भगवान ब्रह्म की सलाह हो। हमारी बातें सही हो सकती हैं, लेकिन अभ्यास करें और देखें। आपको अपने स्वयं के अनुभव के माध्यम से सब कुछ जानना होगा।

तो एक दिन खाने की कोशिश करें और अगले दिन न खाएं। अगर आप कुछ दिनों तक ऐसा अभ्यास करते हैं, तो आपको पता चल जाएगा कि क्या करना है। उस आधार पर तय करें कि खाना है या नहीं। किसी और का ज्ञान आपका अनुभवी ज्ञान नहीं है। आपको हर चीज़ खुद अनुभव करनी होगी।

जब मैं एक कक्षा में ज्ञान बांटने के लिए गया, तो एक व्यक्ति ने मुझसे पूछा, 'सर, क्या हम मांस खा सकते हैं? कुछ लोग कहते हैं कि मांस खाना पाप है और यह समस्याएं और बीमारियां पैदा करता है।' मैंने उसे वही उत्तर दिया जो मैंने पहले बताया था। उसने जबरन मांस खाना बंद कर दिया, लेकिन मेरी कक्षा में भाग लेने के बाद, उसने फिर से खाना शुरू कर दिया। छह महीने बाद, उसने मुझसे मिलकर कहा, 'सर, मैंने दो महीने तक प्रेम से खाया जैसा आपने सुझाया था। फिर, मुझे अंदर से रुकने का मन हुआ, और मैंने चार महीने से नहीं खाया है।'

एक अन्य व्यक्ति ने जबरन अपनी इच्छा को त्याग दिया और मांस खाना बंद कर दिया, फिर उसे पार्किंसंन रोग हो गया। फिर, डॉक्टर ने उसे फिर से मांस खाने की सलाह दी, और उसकी सेहत में सुधार हुआ। मेरी कक्षा में भाग लेने और मेरी सलाह का पालन करने के बाद, वह स्वाभाविक रूप से मांस खाने से बचने में सक्षम हो गया।

भद्राचलम में रहने वाले एक दंपती की शादी दस साल पहले हुई थी लेकिन उनके कोई बच्चे नहीं थे। कई डॉक्टरों से परामर्श करने के बावजूद वे गर्भधारण नहीं कर पाए। फिर, उन्हें पता चला कि ध्यान करने से उन्हें बच्चे हो सकते हैं, इसलिए उन्होंने ध्यान करना शुरू कर दिया और जबरन मांस खाना बंद कर दिया। फिर भी, वे गर्भधारण नहीं कर पाए। पति ने मुझसे मिलकर पूछा, 'सर, मैं मांस खाना चाहता हूं, लेकिन क्या यह पाप होगा? क्या हमें नए समस्याओं का सामना करना पड़ेगा?' "तब मैंने उन्हें कहा, जो लोग गैर-शाकाहारी भोजन नहीं खाते हैं उन्हें समस्याएं नहीं होती हैं? शरीर को गैर-शाकाहारी भोजन की इच्छा है, इसलिए जब तक शरीर की इच्छा पूरी नहीं होती है, तब तक आपको बच्चे नहीं होंगे। मैंने उन्हें यह कहा।"

मेरी सलाह का पालन करते हुए, उन्होंने मांस खाया, डॉक्टरों द्वारा निर्धारित दवा ली, लेकिन दो महीनों तक कोई परिणाम नहीं देखा। फिर, उन्होंने दवा बंद कर दी और पूरी तरह से नई

ऊर्जा अवधारणा पर ध्यान केंद्रित किया, ध्यान किया और मेरी सलाह का पालन किया। चार महीने बाद, उन्हें परिणाम मिला - पत्नी गर्भवती हो गई। उन्होंने मुझे फोन किया और कहा, 'सर, मेरी पत्नी अब गर्भवती है, और आपकी सलाह का पालन करने से हमारी सभी समस्याएं हल हो गई हैं।'

इसके बाद, उन्होंने मुझे अपने बच्चे के नामकरण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। जब मैं वहाँ गया, तो उस व्यक्ति ने मुझे सभी से मिलवाया और कहा कि मेरी सलाह का पालन करके उन्हें बच्चा हो पाया। फिर, जब मैं खाना खा रहा था, तो मैंने कोई गैर-शाकाहारी भोजन नहीं देखा। इसलिए, मैंने उनसे पूछा, 'आपका कहना है कि गैर-शाकाहारी भोजन खाने से आपको बच्चा हुआ, तो आपने क्यों नहीं परोसा?' उन्होंने जवाब दिया, 'सर, मुझे लगा कि जीवित प्राणियों को मारना आवश्यक है, इसलिए मैंने परोसा नहीं।' मैंने उन्हें अपने अंतर्ज्ञान का पालन करना जारी रखने की सलाह दी।

खम्मम का एक व्यक्ति था जिसकी शादी चार साल हो चुकी थी लेकिन अभी तक उनके कोई बच्चे नहीं थे। घंटों ध्यान करने के बावजूद, उन्हें कोई परिणाम नहीं मिला। जब वे मुझसे मिले, तो मैंने उन्हें कहा - 'जो तुम्हारे मन में आए, वह खाओ, क्योंकि बच्चे शरीर से पैदा होते हैं, इसलिए जब तुम शरीर की इच्छा पूरी करोगे, तो यह तुम्हारी इच्छा पूरी करेगा।' लेकिन वह ऐसा करने से बहुत डरता था। उसने कहा, 'सर, मैंने ध्यान करके बहुत सारे अच्छे कर्म जमा किए हैं, अगर मैं गैर-शाकाहारी भोजन खाऊंगा तो क्या होगा अगर मुझे पाप मिल गया तो? अगर मैं निचली अवस्था में गिर जाऊं तो? अगर मुझे पाप के कारण समस्याएं हो गया तो?'

फिर मैंने कहा, 'तुम पाप और पुण्य में कितने समय तक फंसे रहोगे? जब तुम पाप और पुण्य को पार करोगे, तभी तुम्हारी इच्छाएं पूरी होंगी और तुम मोक्ष भी प्राप्त करोगे।' तो अब से, जिन चीजों को तुम पाप मानते हो, उन्हें करो और उनसे कहो कि वे तुम्हें दिव्यता तक ले जाएं। इसी तरह, जिन चीजों को तुम पुण्य मानते हो, उन्हें करो और उनसे कहो कि वे तुम्हें दिव्यता तक ले जाएं। कम जोखिम वाली चीजों को बाहर से करो और बाकी को अपने मन में कल्पना करो और उसी के माध्यम से भगवान तक जाने का प्रयास करो। तभी तुम्हारा विकास होगा और तुम्हें वांछित परिणाम मिलेगा। मैंने कहा कि अगर तुम मौजूदा स्थिति में रहते हो, यानी पाप और पुण्य की स्थिति में, तो तुम्हें परिणाम नहीं मिलेगा।

लंबे समय तक आंतरिक संघर्ष के बाद, वह अंततः मेरी सलाह के अनुसार गैर-शाकाहारी भोजन खा गया। इसे 3 महीने तक खाने के बाद, उसकी पत्नी गर्भवती हो गई। उसने मुझे फोन किया और इस खबर को बड़े उत्साह के साथ साझा किया। अब मुझे पता चला सर, कि अब

से मैं हर चीज को दिव्य मानकर करूँगा, न कि अच्छे या बुरे की सोच के साथ। उन्होंने कहा कि उन्होंने अब सृष्टि के रहस्य को समझ लिया है।

मैं जो कहना चाहता हूँ, अगर मांस खाना पाप है, तो फिर उन्हें बच्चे कैसे हुए? क्या पाप करने से समस्याएं बढ़नी चाहिए, लेकिन इसके बजाय, वे कम हो रही हैं? कृपया इसे समझें।

आप जहाँ भी हैं, एक कदम आगे बढ़ाएं। न्यू एनर्जी में कोई नियम नहीं है जो कहता है कि आप गैर-शाकाहारी भोजन नहीं खा सकते हैं, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से, न्यू एनर्जी कॉन्सेप्ट का पालन करने वाले 90% लोग स्वाभाविक रूप से गैर-शाकाहारी भोजन नहीं खाते हैं। बाकी अभी भी इसे खा रहे हैं, लेकिन वे भी अद्भुत परिणाम प्राप्त कर रहे हैं।

जब आप न्यू एनर्जी कॉन्सेप्ट के अनुसार ध्यान करते हैं, तो नई ऊर्जा आपके अंदर आती है और स्वाभाविक रूप से आपके लिए अनावश्यक चीजों को हटा देती है। आपकी रुचि और इच्छा स्वाभाविक रूप से कम हो जाती है। इसलिए, कृपया अपनी इच्छाओं को मारे बिना जीतें, यह मेरी सलाह है जो मेरे अनुभव और मिले परिणामों के माध्यम से आपको दी गयी है।

** यह ज्ञान तेलुगु भाषा से अनुवादित है। तेलुगु या अन्य भाषाओं में यह ज्ञान पढ़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें **http://darmam.com/library.html**